पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र प्रयागराज
FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION PRAYAGRAJ

माघमेला क्षेत्र में पारिपुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र-, प्रयागराज द्वारा दिनांक 27.01.2020 को माघ मेला स्थित 'वानिकी तकनीक प्रदर्शन एवं जागरूकता शिविर' में "कृषि वानिकी" विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । केन्द्र प्रमुख डासंजय सिंह ने कृषि . वानिकी की आवश्यकता एवं संभावनाएं, विषय से लोगों को परिचित कराया साथ ही उन्होने बताया कि सघन जनसंख्या वाले उत्तर प्रदेश में हरित क्षेत्र बढ़ाने का एक मात्र उपाय कृषि वानिकी ही है।

शिविर की समन्वयक डाकुमुद दुबे ., वैज्ञानिक-ई ने कृषि वानिकी प्रजाति के अन्तर्गत *मीलिया डूबिया* के बारे में लोगों को जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजिका डाअनीता तोमर ., वैज्ञानिक-ई द्वारा सम्बंधित विषय पापलर, गम्भार आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। उन्होने पापलर प्रवर्धन की प्रक्रिया को कृषकों के मध्य प्रदर्शित भी किया। वहीं श्री आलोक यादव, वैज्ञानिक-ई ने बाँस तथा सागौन के बारे में विस्तार से चर्चा की। तत्पश्चात डाअनुभा श्रीवास्तव ., वैज्ञानिक-सी एवं प्रशिक्षण सह-संयोजिका ने युकेलिप्टस, आंवला तथा सहजन आधारित कृषि वानिकी तकनीक पर बताया।

कार्यक्रम का सफल आयोजन डाशुक्ला .डी.एस ., रतन कुमार गुप्ता, हरिओम शुक्ला, अमन मिश्रा, अंकुर श्रीवास्तव, अमित कुमार आदि के द्वारा सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में लगभग 40-50 कृषकों के अतिरिक्त कार्यालय के विभिन्न परियोजनाओं के शोध छात्र एवं विभिन्न महाविद्यालयोंविश्वविद्यालयों के छात्र भी सम्मिलित रहे।/

कृषि वानिकी का प्रशिक्षण दिया गया किसानों को

पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से माघ मेला क्षेत्र में लगाया गया शिविर

जासं, प्रयागराज : पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से माघ मेला क्षेत्र में शिविर लगाया गया है। इस शिविर में सोमवार को कृषि वानिकी विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका शुभारम्भ केंद्र प्रमुख डा. संजय सिंह ने किया। उन्होंने बताया कि सघन जनसंख्या वाले उत्तर प्रदेश में हरित क्षेत्र बढ़ाने का एक मात्र उपाय कृषि वानिकी ही है। शिविर की समन्वयक डा. कुमुद दुबे ने कृषि वानिकी प्रजाति के अन्तर्गत मीलिया डूबिया के बारे में लोगों को जानकारी दी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अनीता तोमर ने पापुलर, गंभार आदि के बारे में जानकारी दी। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने बांस तथा सागौन के बारे में बताया। इस मौके पर डा. अनुभा श्रीवास्तव, डा. एसडी शुक्ला, रतन कुमार गुप्ता, हरिओम शुक्ला, अमन मिश्रा, अंकुर श्रीवास्तव, अमित कुमार आदि थे।